तापमान
अधिकतम 37 .1 डिग्री
न्यूनतम 20 .8 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार, 22 अप्रैल 2024

11 छात्रों ने रंगारंग प्रस्तुति देकर सभी को किया आकर्षित

12 डीसी ने सभी खरीद एजेंसियों के गोदामों का किया निरीक्षण

खबर संक्षेप

11 केवी की लाइन से 450 मीटर तार चोरी

गन्नौर। गुमड़ गांव के पास 11 केवी की लाइन से चोर 450 मीटर तार चोरी कर ले गए। निगम ने चोरी की शिकायत गन्नौर पुलिस को दी है। शिकायत में निगम के कर्मचारी ने बताया कि उनकी 11 केवी की लाइन है। गांव गुमड़ के पास 100 केवीए का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है। 3 मार्च की रात को चोर ट्रांसफार्मर के पास से करीब 450 मीटर तार चोरी कर ले गए। गन्नौर थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के विरूद्ध केस दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी है।

पड़ोसियों के साथ मारपीट पिता-पुत्र पर केस दर्ज

गन्नौर। भाखरपुर निवासी सुनील ने बताया कि शनिवार की शाम को वह अपने भाई के साथ घर पर था। इस बीच हरनाम व उसका बेटा घर आए और खेत से सामान उठाने की बात को लेकर उसके भाई के साथ मारपीट करने लगे। जब उसने रोका तो हरनाम व उसके बेटे ने उसके साथ भी मारपीट की और उन्हें जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने आरोपितो के विरूद्ध केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर में घुस कर मारपीट चार पर केस दर्ज

गन्नौर। खेड़ी तगा गांव के अशोक ने बताया कि उसके चाचा जय भगवान व उनके घर आया था। घर में आते ही उसके चाचा के लड़के विक्की ने उसे गाली दी और लोहे के कडे.से उसके सिर पर चोट मारी। विक्की के बड़े भाई जयबीर ने भी उसके साथ मारपीट की। शोर सुन कर जब उसकी भाभी कविता बीच बचाव में आई तो उसकी चाची सुदेश ने उसके साथ भी हाथापाई की। इसके बाद उनके पिता ने उन्हें छुड़ावाया। जिसके बाद आरोपित उसे जान से मारने की धमकी दे कर वहां से चले गए। पुलिस ने आशोक की शिकायत पर जयभगवान, जयबीर, विक्की व सुदेश के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

महिला के साथ मारपीट मां-बेटे के खिलाफ केस

गन्नौर। बजाना कला गांव की मनीषा ने बताया कि 20 अप्रेन को वह अपने घर के बाहर कपड़े धो रही थी। इस बीच वहां पर दर्शना अपने पालतू कुत्ते के साथ उनके मकान के सामने गोबर डालने आई थी। उसके कुत्ते ने उनके बर्तनों पर पेशाब कर दिया। जब उसने दर्शना को कुत्ते के बारे में कहा तो उसने गोबर का खाली तसला उसके मुह पर मारा और उसके साथ गली गलौच करने लगी। इसके बाद दर्शना का बेटा मंजीत भी वहां आया उसका गला दबा कर नीचे गिरा दिया और उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि मंजीत ने उस पर ईंट से हमला किया। हमला करने के बाद आरोपित उसे जान से मारने की धमकी देकर चले गए।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

गोहाना। महिला थाना गोहाना क्षेत्र की 21 साल की युवती ने पुलिस को बताया कि वह एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती थी। करनाल का एक युवक भी नौकरी करता था, जिससे उसका संपर्क हुआ। युवक ने उसे शादी करने का झांसा दिया। वह उसे बातचीत के बहाने रेस्तंत्रा में लेकर जाता और उससे दुष्कर्म किया। युवक ने उसे शादी से इंकार कर दिया। इस पर उसने पुलिस को शिकायत दी।

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए किया रक्तदान

सोनीपत। गांव भैरा बांकीपुर में मां भारती रक्तवाहिनी द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यहां पर रेडक्रॉस सोसायटी दिल्ली के सौजन्य से 42 रक्तदाताओं का रक्तदान करवाया गया। रक्तदान शिविर लगाने का मकसद थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को रक्त उपलब्ध करवाना रहा। इस मौके पर विपिन कुमार, राहुल सोलापुरकर, सचिव प्रेम गौतम, सह सचिव नीरज, तरुण नांगल, मुकेश, प्रमोद नैना, सुधीर, सुमेर सरोहा, आदि मौजूद रहे।

बच्ची मौत मामला : बच्ची के साथ दरिंदगी के सबूत, 58 चोट के निशान मिले

- पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मिले 58 चोट के निशान, दुष्कर्म की पुष्टि
- आरोपित मां को अदालत ने न्यायिक हिरासत में जेल और उसके प्रेमी को एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सदर थाना क्षेत्र में पांच साल की बच्ची की बेरहमी से हत्या करने की आरोपित मां ने मां के रिश्ते को कलंकित करने के साथ-साथ मानवता को शर्मसार भी किया है। मामले में आरोपित मां व उसके प्रेमी ने नृशंसता की सभी हदों को पार कर दिया था। बच्ची को लगातार चार दिन तक लगातार पीटा जा रहा था। पीटने के चलते उसके शरीर पर चोट के 58 निशान मिले हैं। साथ ही उसके साथ दुष्कर्म भी किए जाने का पता लगा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरी पर लगी चोटों का खुलासा हुआ है। वहीं दुष्कर्म का पता चला है। पुलिस ने मामले में इससे संबंधित धारा जोड़ दी है। वहीं मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने आरोपित मां व उसके प्रेमी कबीरपुर निवासी रजत को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। जहां से महिला को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। वहीं आरोपित प्रेमी को एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपित से गंभीरता से पूछताछ की जा रही है।

यह था मामला- शहर के रहने वाले व्यक्ति ने 19 अप्रैल को सदर थाना पुलिस को बताया था कि उनका निकाह 12 साल पहले शहर की युवती से हुआ था। उन्हें पत्नी से दो बेटियां हुई। जिनकी उम्र अब 8 व 5 वर्ष है। झगड़ा होने पर उनका दो साल पहले तलाक हो गया था। तलाक के बाद उनकी पूर्व पत्नी बड़ी बेटी को साथ ले गई और छोटी बेटी उनके पास रह गई थी। आठ माह पहले उनकी पूर्व पत्नी दो दिन के लिए छोटी बेटी को भी साथ ले गई थी, लेकिन बाद में वापस छोड़ने नहीं आई। वीरवार देर शाम को अपने प्रेमी के साथ आकर मोहन नगर में बच्ची को मृत हालत में पति के मामा के घर छोड़ गई थी। पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया था। मामले में कार्रवाई करते हुए सदर थाना प्रभारी सेठी मलिक की टीम ने आरोपित महिला व उसके प्रेमी कबीरपुर के रजत को गिरफ्तार कर लिया था। महिला ने बताया था वह शराब पीती थी। जिसके बाद बच्ची खाने का सामान मांगने पर पिटाई करते थे। पुलिस ने आरोपितों को अदालत में पेश किया, जहां रजत को एक दिन के रिमांड पर लिया है।

मां को बताया तो दोनों ने मिलकर की पिटाई, दोनों आरोपी गिरफ्तार

बेरहमी से पीटकर मौत के घाट उतारा

पुलिस के अनुसार मामले में शव का पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सक ने बताया कि मासूम के शरीर पर चोट के 58 निशान मिले है। हालांकि पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट सोमवार को मिल सकेगी। बच्ची के शरीर के ज्यादातर हिस्सों पर चोट के निशान है। महिला व उसके प्रेमी ने बच्ची के साथ सभी हदों को पार करते हुए बेरहमी से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया।

सोनीपत। आरोपितों को अदालत में लेकर जाते हुए पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

18 अप्रैल को हुई वारदात

पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आया कि 18 अप्रैल को हत्या से पहले मासूम से रजत ने दुष्कर्म भी किया था। घटना के समय बच्ची की मां रसोई में थी। तब आरोपित उसे बाथरूम में ले गया था। जहां बच्ची के साथ गलत काम किया। उसके बाद बच्ची की फिर से बुरी तरह पिटाई की गई।

इससे उसकी मौत हो गई। आरोपितों ने शुरूआती पूछताछ में बताया है कि उन्होंने 15 से 18 अप्रैल तक रोज बच्ची को पीटा था। वह अक्सर शराब के नशे में उसकी पिटाई करते थे।

पूछताछ जारी

बच्ची हत्याकांड मामले में आरोपित उसकी मां व उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों को अदालत में पेश किया। जहां से महिला को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। जबकि उसके प्रेमी को एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

- एसआई, रमेश कुमार, जांच अधिकारी, सदर थाना।

13 फरवरी को बंद किया था नेशनल हाईवे, 26 फरवरी को खोले गए सर्विस रोड

नेशनल हाईवे पर खोली गई दो और लेन, यातायात होगा सुगम

शुरुआत में दिल्ली-पानीपत के फ्लाईओवर पर दो लेन को शनिवार रात से ही खोल दिया गया था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। नेशनल हाइवे पर क्रेन के जरिए रास्ता खोलते हुए। फोटो : हरिभूमि

दो माह से भी अधिक समय से बंद नेशनल हाइवे 44 को आंशिक रूप से ही सही, लेकिन आखिरकार खोल दिया गया है। सिंघु बॉर्डर पर अब तक सर्विस लेन के जरिये ही वाहनों की आवाजाही हो रही थी। अब बॉर्डर पर बने फ्लाईओवर को भी खोलना शुरू कर दिया गया है। फ्लाईओवर से रविवार को अवरोधक हटाने का काम किया गया। जिसमें से दिल्ली-पानीपत और पानीपत दिल्ली की तरफ की दो-दो लेन खोली गई है। चार-चार लेन में से दो-दो लेन खोलने पर वाहनों का आवागमन कुछ आसान होगा। सड़क अवरोधकों व मलबे को एक साइड में रखा गया है। क्योंकि अभी तक सिर्फ सर्विस रोड चालू होने के चलते रोजाना जाम की समस्या बनी रहती थी। अब फ्लाईओवर शुरू होने के चलते वाहनों का आवागमन सुगम हो जाएगा।

- फ्लाईओवर पर दोनों ओर की दो-दो लेन खोली गई, मलबा रखा है हाइवे पर ही

करीब सवा 2 माह से बंद कुंडली बॉर्डर के फ्लाईओवरों को खोलने की प्रक्रिया दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार से शुरू करवा दी थी। करीब 3 किलोमीटर तक फ्लाईओवरों पर बनाए गए पक्के अवरोधकों को हटाने के लिए बुल्डोजर लगाए गए हैं। सीमैंट की दीवारों को तोड़ा गया है तो वहीं, लोहे व पत्थरों को हटाकर एक साइड में लगा दिया गया है। शुरूआत में दिल्ली-पानीपत के फ्लाईओवर पर दो लेन को शनिवार रात से ही खोल दिया गया था जबकि इसके कुछ देर बाद ही पानीपत-दिल्ली फ्लाईओवर की भी एक लेन को खाली कर ट्रैफिक के लिए खोल दिया गया। किसान आंदोलन जब शुरू हुआ था तो किसानों को हरियाणा-पंजाब बॉर्डर पर ही रोक दिया गया था। उस समय 13 फरवरी को दिल्ली पुलिस ने सिंघु बॉर्डर को बंद करना शुरू कर दिया था। बॉर्डर पर दोनों फ्लाईओवर व सर्विस लेन पर लोहे व पत्थर से बने अवरोधक रखे गए थे।

बड़े-बड़े कंटेनर रखने के बाद सीमेंट के अवरोधक रखे गए। वहीं कंकरीट की मोटी दीवार भी बना दी गई थी। किसानों को दिल्ली जाने से रोकने के लिये ही यह काम किया गया था। 26 फरवरी को बॉर्डर पर दोनों सर्विस रोड को खोला गया था। जिसके बाद वाहनों का आवागमन शुरू हो गया था, लेकिन वाहनों के अत्याधिक दबाव के चलते यहां पर जाम की समस्या बनी रहती थी।

उद्योगों के लिए जरूरी बॉर्डर खोलना

बॉर्डर के बंद होने के कारण सबसे अधिक परेशान उद्योगों को हो रही थी। सर्विस लेन के सहारे वाहनों का आवागमन करने चुनौती बना हुआ था। जाम के चलते उद्योगों को सप्लाई होने वाला कच्चा माल और उद्योगों से तैयार माल ले जाते समय वाहनों को काफी अधिक समय लग रहा था। जिसकी वजह से माल तैयार करने का समय तो बढ़ ही रहा था, इसके अलावा जाम के चलते ईंधन की खपत भी बढ़ रही थी। जिसकी वजह से उद्योगों पर सीधा असर पड़ रहा था। अब फ्लाईओवर खुलने के बाद से उद्योगपतियों ने भी राहत की सांस ली है। बताया जा रहा है कि बार्डर बंद होने की वजह से उद्योगपतियों व ट्रांसपोर्टरों का करोड़ों का नुक्सान हुआ है।

पूरी तरह से खोलने में लगेगा समय

दिल्ली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फ्लाईओवरों की कुछ लेन पर अभी अवरोधक व मलबा रखा गया है। इसे फिलहाल नहीं उठाया जा रहा है। जानकारी मिली है कि मौजूदा समय में दोनों ओर की दो-दो लेन खोलने के निर्देश ही मिले हैं। इसी वजह से केवल दो-दो लेन को ही खोला जा रहा है। वहीं बाकि लेन खोलने की प्रक्रिया के बारे में भी जल्द कार्रवाई करने की बात कही जा रही है। हालांकि दो लेन खोलने से यातायात के आवागमन में आसानी होगी, लेकिन जब तक फ्लाईओवर पूरी तरह से नहीं खुल जाता तब तक यातायात की समस्या बनी रहेगी।

महिला की पहली मंजिल से नीचे फेंककर हत्या

- गांव बढ़मलिक का है मामला, मरने से पहले युवक पर लगाया आरोप, दूसरे किरायेदार ने बनाई वीडियो

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

गांव बढ़मलिक में किराए पर रहने वाली महिला की पहली मंजिल से नीचे फेंक कर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। महिला की मरने से पहले एक युवक पर नीचे फेंकने का आरोप लगाया। आरोपों की एक किराएदार ने वीडियो बना ली। फिलहाल पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मूलरूप से बिहार के जिला पूर्णिया के गांव शादीपुर निवासी असमत ने राई थाना पुलिस को बताया कि वह एक साल से बढ़मलिक की सहारा कॉलोनी में प्रमोद के मकान में किराए पर रहते हैं। उनका कमरा मकान की तीसरी मंजिल पर है। रविवार की सुबह करीब साढ़े पांच बजे उन्हें शोर सुनाई दिया।

वह बाहर आए तो नीचे गली में भीड़ लगी थी। नीचे आकर देखा तो बिल्डिंग की पहली मंजिल में कमरा नंबर-29 में रहने वाली राजस्थान के जिला सीकर के गांव ताजपुर की पूनम जमीन पर पड़ी थी। जिसके दोनों पैर टूटे हुए थे। पूनम ने बताया कि उसे चंदन चौरसिया ने छत से धक्का दिया है। पूनम के घटना की जानकारी देने के दौरान उन्होंने उसकी वीडियो रिकॉर्डिंग कर ली। वहीं, मामले की शिकायत डायल-112 पर दी। पूनम को इलाज के लिए नागरिक अस्पताल में पहुंचाया गया। जहां गंभीर हालत के चलते उसे रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस ने असमत के बयान पर चंदन चौरसिया के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बताया जा रहा है कि आरोपी महिला का परिचित था। पुलिस उसके बारे में जानकारी जुटा रही है।

मामले की जांच जारी

महिला को छत से धक्का देकर गिराने की जानकारी मिली थी। बिल्डिंग में रह रहे किराएदार की वीडियो बनाई है। मामले में सभी तथ्यों को गहनता से जांच की जाएगी। जिसके बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

- इंस्पेक्टर उमेश कुमार, थाना प्रभारी, राई

राजस्थान में रह रहा महिला का पति

पुलिस की जांच में पता लगा कि महिला का पति राजस्थान में रहता है। महिला कमरे में बेटे के साथ रहती थी। पुलिस का कहना है कि पता लगा कि जिस युवक पर आरोप है वह महिला का परिचित था।

जांच पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया

किसान की खेत में लाठी-डंडों से पीटकर हत्या पड़ोसी किसान व परिजनों पर हत्या का आरोप

सोनीपत। मौके पर पहुंची पुलिस व शव की पहचान करते हुए परिजन व मौजूद पुलिस टीम। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

खरखौदा थाना क्षेत्र के गांव सिसाना-2 में किसान की खेत में लाठी-डंडे से पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। परिजन खेत में गए तो किसान का शव बरसीम में पड़ा मिला। उन्होंने खेत के पड़ोसी किसान व उनके परिजनों पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि किसान अक्सर पड़ोसी किसान के खेत में बने कमरे में बैठा रहता था। पड़ोसी किसान के खेत में बने कमरे के बाद गीली मिट्टी में संघर्ष के निशान भी मिले है। पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में भिजवा दिया। जहां मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम के लिए खानपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवा दिया है। जहां सोमवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। गांव सिसाना-2 निवासी रामकिशन ने बताया कि उनका भाई रणधीर (50) पुत्र बलवंत सिंह खेतीबाड़ी करता था। वह अविवाहित थे और ज्यादातर खेत के पड़ोसी रणधीर पुत्र जिले सिंह के खेत में बने कमरे में रहते थे। रविवार को जब वह खेत में पहुंचे तो उनके भाई का शव बरसीम के अंदर पड़ा था। उनके भाई की बेरहमी से पीटकर हत्या की गई थी। उनके भाई के सिर, हाथ, पैर पर चोट के निशान थे। उनका शव खून से लथपथ पड़ा था। उन्होंने तुरंत मामले से पुलिस को अवगत कराया। जिस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने रामकिशन के बयान पर पड़ोसी किसान रणधीर पुत्र जिले सिंह, उसके बेटे सुमित, सोनू, उसकी पत्नी, और भाई नरेंद्र पर हत्या का शक जताया। रामकिशन ने पड़ोसी किसान व परिजनों पर हत्या का आरोप लगाते हुए बताया कि जब वह रणधीर पुत्र जिले सिंह के खेत में बने कमरे के पास गए तो वहां गीली मिट्टी में संघर्ष के निशान मिले।

नमूने एकत्रित किए

खेत में शव मिलने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम व एफएसएल की टीम ने मौके पर पहुंचकर वारदात स्थल से नमूने एकत्रित किए है। शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। जहां फॉरेंसिक चिकित्सक न होने के चलते शव को महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल खानपुर रेफर कर दिया। सोमवार को शव का पोस्टमार्टम करवाया जायेगा। आरोपितों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

- एसआई वेदपाल, जांच अधिकारी खरखौदा थाना।

युवक की संदिग्ध हालात में मौत पिता पर हत्या करने का आरोप

- शमसान घाट में शव का अंतिम संस्कार कर रह थे परिजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

मोहाना थाना क्षेत्र में संदिग्ध हालात में युवक की मौत हो गई। मृतक के परिजन उसके शव का दाह संस्कार करने लगे। किसी अज्ञात सूचना के बाद मौके पर पहुंची मोहाना थाना पुलिस ने चिता से शव के अवशेषों को निकालकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। जहां चिकित्सक ने पोस्टमार्टम के लिए महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल खानपुर रेफर कर दिया। पुलिस ने गांव के सरपंच के बयान पर मृतक के पिता के खिलाफ हत्या व शव को खुर्द-बुर्द करने का मुकदमा दर्ज कर लिया है। सोमवार को शव के अवशेषों का पोस्टमार्टम करवाया जायेगा। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।गांव बोहला निवासी राजसिंह ने बताया कि वह मौजूदा समय में गांव का सरपंच है। रविवार सुबह उसे पता चला कि रोहित (23) की मकान की सीढ़ियों से गिरने से लगी चोटों के कारण मौत हो गई।

सोनीपत। शमसान घाट चिता से निकाला शव व नागरिक अस्पताल के शव के अवशेष लेकर पहुंची पुलिस। फोटो : हरिभूमि

शराब का आदी था रोहित

अस्पताल में पहुंचे परिजनों व ग्रामीणों ने दबी जबान में बताया कि रोहित अक्सर शराब पीता था। उसके बाद परिवार के सदस्यों के साथ झगड़ा करता रहता था। शनिवार देर शाम को शराब के नशे में घर पर पहुंचा। जहां मकान के अंदर रखा सामान तोड़ने लगा। उसके बाद घर वालों से झगड़ा करने लगा। जानकारी मिल है कि उसके पिता ने झगड़े के दौरान उस पर लाठी से हमला कर दिया। जिसके चलते उसी मौत हो गई। हत्या का आरोप मृतक रोहित के पिता पर लगा है। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ढाई साल पहले हुई शादी

मिली जानकारी के अनुसार शनिवार देर शाम को शराब के नशे में रोहित घर पहुंचा। घर पर पहुंचते ही उसने झगड़ा करना शुरू कर दिया। घर का सारा सामान तोड़ दिया। सामान तोड़ने से मना किया तो परिजनों के साथ अभद्रता करने लगा। जानकारी मिली कि उसी दौरान रोहित के पिता ने उस पर डंडे से हमला कर दिया। जिसके कारण उसकी मौत हो गई। रोहित की शादी करीब ढाई साल पहले हुई थी। उसके पास करीब चार माह का बेटा भी है। जिसके सिर से पिता का साया उठ गया।

तर्कों की झड़ी, तर्कों की धूलि और अन्धबुद्धि. ये सब आकुल व्याकुल होकर लौट जाती है, किन्तु विश्वास तो अपने अन्दर ही निवास करता है, उसे किसी प्रकार का भय नहीं है।

-रवींद्रनाथ टैगोर

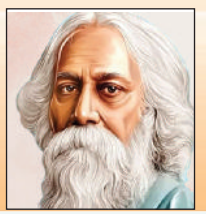

कहा जाता है कि बिना कुछ किए तो सोने की खदान भी खाली हो जाती है। उसका बेटा लक्ष्मी लाल भी उन्हीं के नक्शेकदमों पर चलता रहा। देखते-देखते परिवार बढ़ा और लोगों की जरूरत भी। अब बच्चों की पढ़ाई, घर की सारी आवश्यकताओं को पूरा करना संभव नहीं हो पाता।

कहानी | डोली शाह

स्मरण

गंगा प्रसाद बचपन से ही एक रईस दबंग खानदान से ताल्लुक रखता था। वह पुरखों की बनाई हुई चाय बागान की ही थोड़ी बहुत देखभाल करता और अपना जीवन व्यतीत करता। वह कम पैसों में ही बंजर पड़ी जमीन को जरूरतमंदों को समझा देता, लेकिन जिस तरह कहा जाता है कि बिना कुछ किए तो सोने की खदान भी खाली हो जाती है। उसका बेटा लक्ष्मी लाल भी उन्हीं के नक्शेकदमों पर चलता रहा। सोचता किसी न किसी तरह आखिर पेट तो भर ही जाएगा। देखते-देखते परिवार बढ़ा और लोगों की जरूरत भी। अब बच्चों की पढ़ाई, घर की जरूरतें, राशन- पानी, सारी आवश्यकताओं को पूरा करना संभव नहीं हो पाता। तभी उसने एक छोटी सी पंक्ति खोली लेकिन वहां भी खरीदार से ज्यादा टाइम पास करने वालों का ही तांता लगा रहता। एक दिन बेटा टिंकू अपने दोस्तों के साथ चाय बागान पहुंचा। चलते-चलते वह बागान के अंतिम छोर तक पहुंचने ही वाला था कि टिंकू ने कहा-यार! मैं तो थक गया और चलना मेरे बस में नहीं! अन्य दोस्त ने कहा 'इतनी जल्दी!'

'हां फिर तो यदि पूरा बागान होता तो कभी जा ही ना पाते।' 'क्या?' 'हां, वह तो लोगों के बसने के कारण इतनी छोटी हो गई है। यह सारा जो दाढ़ी वालों की बस्ती है,पहले लक्ष्मी अंकल का ही था।'

'सचमुच।' 'हां,कभी अपने पापा से पूछकर देखना, पहले जितनी जमीन अभी होती तो तुम लोगों की शायद पैसे रखने की भी जगह ना होती। वह तो दूसरों को देने के कारण खेती की जमीन छोटी हो गई और उर्वरता कम होकर दिन प्रतिदिन फसलें भी कम होती जा रही हैं। टिंकू ने घर पहुंचते ही पूछा, 'पापा हमारे बागान के उत्तर की तरफ जो मकान है क्या वह हमारी जमीन थी।' 'हां बेटा , तुम्हारे दादाजी बहुत दयालु थे, जब भी कोई उनसे अपना दुखड़ा कहता, वह उसे सही मान लेते और ऐसा करके ही उन्होंने पूरी जमीन का आधा हिस्सा औरों में ही बांट दिया है।'

'पापा फिर आपने कुछ कभी कहा नहीं?'

'क्या कहूं उन दाढ़ी वालों को, किसी से कहने भी जाओ तो कहते हैं हमें गंगा प्रसाद जी ने दिया है।' 'तो क्या उन्होंने कागजी दस्तावेजों पर भी अपना हाथ साध लिया है?' ' हां,अपनी तरफ से उन्होंने थोड़ा बहुत जुगाड़ तो कर ही लिया है।'

इतने में एक कर्मचारी पूरे दिन का हिसाब किताब लेकर लक्ष्मी लाल जी के पास पहुंचा। बातों-बातों में उसने बताया, 'इरफान के घर के आगे दो-तीन दिनों से एक पक्के मकान की नींव दी जा रही है। आज पूछा तो पता चला कि 'वहां एक मस्जिद के निर्माण की तैयारी चल रही है।'

'क्या?' 'हां साहब, उनकी मंशा तो बढ़ती ही जा रही है। इन्हें रोकना होगा लेकिन ठंडे दिमाग से! वह सैकड़ों वर्षों से रहते हैं। मैंने कुछ नहीं कहा लेकिन आज उन्हें रोकना होगा।' अगले दिन प्रातःकाल लक्ष्मी लाल वहां पहुंचा। 'अरे! साहब, आप अचानक यहां कैसे!'

'नहीं बस यूं ही, बहुत दिन हो गए थे तो देखने आ गए।' 'लेकिन इरफान तुम यह यहां क्या बनवा रहे हो, पहले कच्चे मकान की जगह पक्के मकान तक तो कोई बात नहीं, लेकिन अब हम किसी धर्म स्थान की इजाजत नहीं देंगे।'

'क्यों यह हमारी जमीन है, हम चाहे जो भी करें।'

'इरफान यह तुम भी बखूबी जानते हो और मैं भी..., देखो मैं कोई झगड़ा-झंझट नहीं चाहता, लेकिन मैं यहां कोई कम्युनल बिल्डिंग बनने नहीं दूंगा! ना कोई मंदिर, ना कोई मस्जिद, चाहे कुछ भी हो जाए।' 'लेकिन क्यों' 'किसी और की जमीन पर रहने से वह अपनी नहीं हो जाती।'

'देखते हैं हमें कौन रोकता है बनवाने से' इरफान ने गुस्से में लाल-पीला होकर कहा। टिंकू ने जाकर पुलिस में केस दर्ज कर दिया जिससे मामला काफी गंभीर हो गया। नामौजदूगी की वजह से केस कोर्ट तक पहुंच गया। तारीख- पर-तारीख करते काफी वक्त गुजर गया। पिता की उम्र देख अब टिंकू ही हर दिन पढ़ाई से बचे समय में ही चाय बागान देखने जाता। इरफान की बेटी फराह भी इस बागान में पत्ती तोड़ने आती। उसका पतला, लंबा, छरहरा बदन रूप-रंग, गठन, मानो देखते ही बनता था। टीकू भी उसे बड़े ध्यान से देखता। वह उससे बातें करने का प्रयास भी करता, लेकिन वक्त ने कभी साथ नहीं दिया। एक तरफ मालिक तो दूसरी तरफ कर्मचारी..! एक दिन टिंकू कर्मचारियों को वेतन दे ही रहा था कि फराह कुछ देर से पहुंची। टिंकू ने मौका देख उससे पूछा 'आज इतनी देर से तुम?''हां ! घर का कुछ काम करने लगी थी, कोई बात नहीं...' पूरा दफ्तर सन्नाटा हो चुका था। इस सप्ताह कितने दिन काम किया था?' 'पूरे 6 दिन साहब।' 'लेकिन फराह, तुम्हें थोड़ा इंतजार करना होगा!'

'क्यों साहब?' 'मैंने भांगीलाल को छुट्टे लाने भेजा है। आता ही होगा!' फराह की चुप्पी देख वह खुद को रोक नहीं पाया। बोला, 'क्या बात है, इतनी चुप्पी?' 'कुछ तो बोलो अकेले हैं हम।'

'क्या बोलूं?' 'कितनी पढ़ाई की है तुमने?' 'दसवीं तक, फिर छोड़ दिया।' 'पढ़ने का मन नहीं करता साहब!' 'तुम चाय बागान में काम मत किया करो!' 'क्यों?' 'ऐसे ही।' 'अच्छा नहीं लगता ,तुम्हें काम करते देखकर।' 'लेकिन साहब केवल अब्बू की कमाई से भोजन-पानी, पढ़ाई का खर्च चलाना मुश्किल हो जाता है, जिससे मुझे भी काम करना पड़ता है।' टिंकू उसे टकटकी लगाए देखता रहा । फराह नजर झुकाए बैठी थी। 'क्यों लेकिन 12वीं तक की पढ़ाई के सारे खर्चे तो सरकार मुफ्त ही दे रही है सिर्फ विद्यार्थियों का मन होना चाहिए। तुम कहो तो अब्बू से बात करूं? 'करिए ...लेकिन लगता नहीं कि अब्बू मानेंगे।' इतने में भांगीलाल छुट्टे लेकर पहुंचा। टिंकू ने फराह को 1200 रुपये थमाए। मन ना होते हुए भी उसे जाना पड़ा। टिंकू मन ही मन चिंतित हुआ कि कुछ दिन पहले ही झगड़ा और फिर मैं यह सब क्या सोच रहा हूं ,कैसे बोलूंगा। फिर एक दिन वह कुछ दोस्तों के साथ फराह के घर पहुंचा। अब्बू अवाक होकर बोले, 'अब यहां तुम! यहां क्यों आए हो!' 'यूं ही बस। चाचा जी! केरल सरकार ने चाय जनजाति की बालिकाओं को नयी योजना में 12वीं तक की शिक्षा केलिए बिल्कुल मुफ्त शिक्षा नीति प्रारंभ की है। यहां तक कि रहने-खाने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी और यदि अच्छे नंबरों से पास किया तो मुफ्त स्कूटी तक प्रदान की जाएगी। सचमुच यदि हमारे गांव की लड़कियों को स्कूटी की सुविधा मिल गई तो कितना गौरव बढ़ेगा। 'फराह ने तो दसवीं तक पढ़ाई कर छोड़ ही दिया।'

'अब भी कुछ देर नहीं हुई, मन हो तो वह पढ़ सकती है।' 'हां बात तो तुम सही कह रहे, पता करके सारी स्कीम की जानकारी मुझे दो।'

'जी जरूर। उसने उसका 11वीं में दाखिला भी करा दिया। अब टिंकू रोज प्रातःकाल चाय बागान से होकर ही कॉलेज जाता जिससे दोनों को एक दूसरे की आदत-सी पड़ गई। कोर्ट में कार्रवाई के लिए तारीख पर तारीख। उधर दोनों के बीच रिश्ते को आगे बढ़ाने का वादा। अब टिंकू को अजहर के खिलाफ कोर्ट में गवाही के लिए खड़े होने में बड़ा अटपटा सा लगता। तभी एक दिन बातों ही बातों में फराह ने टिंकू से कहा 'हमारे गांव में ऐसी कोई जगह नहीं जहां थोड़ी देर अकेले बैठकर समय व्यतीत किया जा सके।' 'अरे! फरहा, समय है किसके पास!' 'फिर भी मन तो होता है, कभी कुछ वक्त अपने साथ, प्रकृति के साथ बिताने का।' 'है तो अपना चाय बागान!' 'अरे ! दोस्त! वहां भी तो हर टाइम कर्मचारी ही रहते हैं।'

'बात तो तुम्हारी सही ही है।'

टिंकू मन ही मन सोचता रहा इतने में फराह बोली 'क्यों ना हमारे अब्बू ने जहां मस्जिद के लिए निर्माण कार्य शुरू किया था वहीं उनकी गुजारिश से एक ओर पार्क का निर्माण कराया जाए।'

'हां ,सचमुच।' 'लेकिन टिंकू इस बात को तुम पहले अब्बू को बोलना!' टिंकू ने अगले दिन ही इरफान के पास अपनी इच्छा प्रकट की, 'चाचा जी अब बाबूजी अक्सर अस्वस्थ ही रहते हैं और अकेले मुझसे केस -फौजदारी होगा नहीं।'

'तो क्या कहना चाहते हो?'

'चाचा जी क्यों ना हम उसी जमीन पर एक छोटे से पार्क का निर्माण करायें, जिससे कुछ देर तो इंसान प्रकृति के बीच रह सके, अपने आप से बातें कर सके और जगह जमीन लेकर क्या लड़ना-झगड़ना। सब को तो खाली हाथ ही जाना होगा।' इतने में फराह चाय लेकर पहुंची- 'अब्बू चाय।'

चाय पीकर उठते हुए पिंटू ने कहा, 'चाचा जी मैं चलता हूं लेकिन मेरी बातों पर विचार जरूर कीजिएगा, क्योंकि गांव में एक पार्क यदि हो जाए तो पूरे गांव का विकास भी होगा।' यह बात ज्यों ही इरफ़ान ने घर पर बताई, 'बताएं?' फराह फौरन बोली । 'अब्बू यह बहुत अच्छा विचार है, पार्क होगा तो बाहर से लोगों का आना-जाना भी होगा। संस्कृति का आदान-प्रदान भी होगा। अब्बू ना मत करो! प्लीज ,यह तो गोल्डन ऑपच्यरुनिटी है,अब्बू अपनी स्मृति बनाने के लिए।

सोचिए ना, मस्जिद बनती तो सिर्फ वहां हमारे ही धर्म के लोग आते, लेकिन पार्क में तो हर धर्म समुदाय के लोग आएंगे। सबके बीच आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी।' इरफान बेटी की बातों को ना नहीं कर सका। बोला, 'अच्छा तुम लोगों की मर्जी।' फराह ने फौरन यह सूचना टिंकू को दी। टिंकू ने भी अपने घर पर सारी बातें बताई। वह अगले दिन ही प्रातः काल बागान पहुंच टिंकू ने पूछा, 'इरफान साहब! क्या सोचा मेरी बातों पर?' 'चलो ठीक है। लेकिन मैं ने तो मस्जिद के लिए इस जमीन पर एन ओ सी लिया था। अब कोर्ट की कागजी कार्रवाई सिर्फ तुम्हें ही करनी होगी।' आप हां तो कीजिए, बाकी सब हम देख लेंगे।' 'लेकिन एक शर्त है क्या इसमें मेरा भी नाम रहेगा।' 'अच्छा चलिए वह भी मान लिया।'टिंकू वहां से चल दिया। वह घर आकर ही फौरन कॉलेज पहुंचा । फराह से मिलकर बोला, 'हमारी मेहनत रंग ला गई। तुम्हारे अब्बू ने मुझे पार्क के लिए कागजी कार्रवाई तैयार करने को बोला है।' यह सुन दोनों के चेहरे पर एक सांत्वना की खुशी की लहर दौड़ गई। 'सचमुच कभी सोचा नहीं था कि अब्बू मान जाएंगे। इसलिए तो कहा जाता है प्रयास ही सफलता की पूंजी है, सच्ची अब हमारे रिश्ते भी प्रयास के बदौलत ही सफल होंगे।' हां इतना कह के दोनों जोर से हँस पड़े।

(लेखिका शिक्षिका एवं साहित्यकार हैं)

कविता | नृपेन्द्र अभिषेक नृप

उन्हें अब वक्त नहीं

ये दुनिया बड़ी निष्ठुर है
जिन पर आप
अपनी जान छिड़कते हैं
वे वक्त आते ही बदल जाते हैं

जिनके लिए आपका
हर पल होता है
उन्हें वक्त नहीं होता
जब उनका वक्त आता है
जिनके जीवन का
आधार थे कभी आप
एक वक्त के बाद उनके
आधार भी बदल जाते हैं

स्तम्भ के सानिध्य में
आपके रिश्तों को भी
वे तोड़ जाते हैं
क्योंकि अब उनके पास
वक्त नहीं है आपके लिए
आपके सपनों के लिए
आपके अपनों के लिए
और आपके रिश्तों के लिए

दुनिया की रीत है यही
लोग आपके वक्त को देख
अपना वक्त बदल लेते हैं।

कविता | निधि राठी

खुशनुमा

हर रोज थोड़ा संवरती है, थोड़ा संभलती है,
इतराती है, आईने से बातें करती है,
हवा सी उड़ती है, खुशनुमा सी हस्ती है,
मिजाज गरम है, लहजा नरम है,
हार जाएगी, ये तुम्हारा भ्रम है,
खिलखिला कर निकल जाती है वो इन तंग गलियों से,
कुछ ऐसे खुदा के उसे पर कर्म है।

पुराने ख्यालों की लड़की है,
हल्की सी बिंदी और गजरे से अपने बालों को सजाती है,
आसमान से बातें करती है, चांद के संग ठहाके लगाती है, सितारों से बहस करती है, सूरज को मात देती है,
यूं तो फूल सी नाजुक है पर कांटों से भिड़ जाती है,
यूं ही लोग उसे माया नहीं कहते,
वो अपनी मोहब्बत से पत्थर में जान डाल जाती है।

बड़ी गहरी बातें करती है, प्रेम में विश्वास रखती है,
अजीज बना ले अगर किसी को,
तो दिल की बेहद गरीब रखती है,
ठोकरें खाती है, फिर उठ जाती है,
कई बार अपनों से ही मार खाती है,
आहट तक नहीं आती उसकी तकलीफ़ के शोर से,
कुछ इस कदर अपने जज़्बातों को संभाल कर रखती है।

लघुकथा | अम्बिका कुमारी कुशवाहा

रिश्ते

गुप्ता जी बड़ी देर से बालकनी में टहल रहे थे। काफी चिंतित दिख रहे थे और बार बार मेन गेट की ओर देखे जा रहे थे। तभी उनकी पत्नी साधना जी चाय लेकर आती है और कहती है 'क्यों इतना परेशान हो रहे हो? थोड़ी देर कुर्सी पर बैठ भी जाओ। गुप्ता जी ने एक गहरी सांस ली और वही कुर्सी पर बैठ चाय पीने लगे।

गुप्ता जी की चिंता का कारण उनकी बेटी पायल जो आज ही अपने ससुराल से आ रही है। गुप्ता जी का छोटा बेटा उसे लाने गया है। तभी मेन गेट खुलता है गुप्ता जी की बेटी पायल अपने भाई स्वराज के साथ घर में आती है। गुप्ता जी और उनकी पत्नी बेटी का हाल चाल लेते है उसके तुरंत बाद पायल अपने पुराने कमरे में चली जाती है। गुप्ता जी पत्नी बेटी के लिए खाना बनाने को कह किचन में चली जाती है। गुप्ता जी फिर से कुर्सी पर बैठ गहरी सोच में डूब जाते है। गुप्ता जी ने अपनी बेटी पायल को काफी पढ़ाया लिखाया था पायल एक सॉफ्टवेयर कंपनी में जॉब भी करती थी। गुप्ता जी ने बेटी का विवाह एक प्रतिष्ठित परिवार में किया था। पायल का पति एक अच्छे पद पर कार्यरत है। लेकिन शादी के कुछ दिनों बाद ही पायल ने अपनी नौकरी छोड़ दी। लेकिन क्यू?? ये पायल ने अपने मां बाप को बताया नही। जब हदें पार कर गई, पायल का पति उसे अनेक तरह से प्रताड़ित करने लगा तब पायल ने अलग होने का फैसला लिया। और मां पापा को बताया की वो वापस आ रही है। बेटी के रिश्तों को बचाने के लिए मां बाप ने भी काफी कोशिश की लेकिन कोई हल नहीं निकला। पायल पूरी तरह टूट चुकी थी। स्त्रियां जो होती है वो अंत तक कोशिश करती है रिश्तों को बचाने की। रिश्ते महज उनके लिए रिश्ते नही बल्कि उनकी भावनाओं के साथ एक जुड़ाव होता है। अलग होने के फैसला बहुत कठिन होता है लेकिन जब रिश्तों की बुनियाद खत्म हो जाती है तब कुछ बचाने को बचा नही होता है। और उस रिश्ते से बाहर निकल जाना ही एक रास्ता बचा होता है। गुप्ता जी और उनकी पत्नी भी बेटी की तकलीफों के आगे बेबस थे। फिर भी बेटी को हौसला देने को खड़े है। समाज ऐसा है की लड़कों का अतीत महज एक कहानी होती है लेकिन लड़कियों का अतीत कलंक बन जाता है। गुप्ता जी कुर्सी से उठकर बेटी के कमरे की ओर गए साथ में उनकी पत्नी भी पीछे से नाश्ता लेकर गई।

साहित्य हमें सही रास्ता दिखाता है। श्रेष्ठ साहित्य आत्मविश्वास बढ़ाता है तथा तनावमुक्त बनाता है। इसलिए हमें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। लोगों की पढ़ने की आदत छूट रही है, किंतु अब भी अच्छा साहित्य पढ़ने वाले बहुत हैं। कुछ लोग मोबाइल का सहारा लेकर पढ़ लेते हैं। आज के युग ऑनलाइन साहित्य पढ़ा जा रहा है। पुस्तकें खरीदने का चलन एक तरह से खत्म हो गया है।

साक्षात्कार | शशि कांत चौहान

कालजयी रचनाओं की कमी से साहित्य के पाठक हुए कम: डॉ सुमन

कालजयी और स्तरीय लेखन में कमी आने से युवाओं ही नहीं, बल्कि हर उम्र के पाठक वर्ग में कमी आई है। अच्छा साहित्य पढ़ने को मिले तो सभी की रुचि होगी और साहित्य पढ़ने के प्रति प्रेरित होंगे। यह कहना है महिला साहित्यकार डॉ. डॉ सुमन कादयान का।

वह कहती हैं कि युवाओं में साहित्य के प्रति रुचि कम होने का दूसरा बड़ा कारण यह है कि आज उसके सामने धनोपर्जन की बड़ी चुनौतियां है। आज युवा सबसे पहले आजीविका कमाने का साधन ढूंढने को प्राथमिकता देता है। इतना ही नहीं कमाई का एक नहीं वह कई इनकम सोर्स चाहता है, इसलिए वह साहित्य पढ़ने को कम तवज्जो दे रहा है। आज का युवा रोजगार के चक्कर में संस्कृति, प्रकृति और कला से भी विमुख हो गया है, यही कारण है कि वह असंवेदनशील हो गया।

आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति ठीक है। हम जानते हैं कि लोगों की पढ़ने की आदत छूट रही है, किंतु अब भी अच्छा साहित्य पढ़ने वाले बहुत हैं। कुछ लोग मोबाइल का सहारा लेकर पढ़ लेते हैं। आज के युग ऑनलाइन साहित्य पढ़ा जा रहा है। पुस्तकें खरीदने का चलन एक तरह से खत्म हो गया है। साहित्य की महत्ता कभी खत्म नहीं हो सकती। 25 फरवरी 1972 को रोहतक जिले के कंसाला गांव में जन्मी सुमन के पिता रामधारी सिंह खोखर रोहतक जाट स्कूल में गणित में अंग्रेजी के शिक्षक थे। माता धनपति देवी गृहिणी थी। हालांकि परिवार में साहित्य से किसी का जुड़ाव नहीं था। भाई-बहन भी साहित्य से नहीं जुड़े हुए थे, लेकिन पढ़ने में सबकी रुचि थी। बचपन से ही बहुत कुछ लिखने की इच्छा थी किंतु घर का माहौल साहित्यिक नहीं था। शादी के बाद उन्हें साहित्यिक माहौल मिला तो उनके अंदर का साहित्यकार सक्रिय हो गया तथा लिखना आरंभ किया। एक बार लेखन शुरू किया तो फिर कलम रुकी ही नहीं। डॉ सुमन कादयान का साहित्य के बारे में मानना है कि साहित्य हमें सही रास्ता दिखाता है। श्रेष्ठ साहित्य आत्मविश्वास बढ़ाता है तथा तनावमुक्त बनाता है। इसलिए हमें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। लोक साहित्य में रुचि कैसे पैदा हुई इस बारे में उन्होंने बताया कि वैसे तो लोक साहित्य व संस्कृति में मेरी बचपन से ही रुचि थी, किन्तु शादी के बाद पति साहित्यकार डॉ ओमप्रकाश कादयान का साहित्य एवं लोक संस्कृति के प्रति समर्पण भाव देखकर उचित माहौल मिल गया।

पहले लेख लिखे फिर कविताएं आरम्भ की। डॉ सुमन कादयान के लेखन का फोकस लोक साहित्य पर है। वे आसपास एकत्रित हुई औरतों से लोक साहित्य संग्रह कर लेती हैं। उनकी पहली कविता थी- ***यादों के समंदर में डूब जाने को जी चाहता है***
उसमें से मोती निकालने को जी चाहता है
काश! कोई लौटा दे वो सुंदर-सा बचपन मेरा
दोबारा जिंदगी जीने को जी चाहता है।

साहित्य लिखते-लिखते आकाशवाणी केंद्र से बहुत-सी वार्ताएं व कार्यक्रम प्रसारित हुए तो अच्छा लगा। लेखन में कठिनाई कोई नहीं आई। उनके आलेख अधिकतर हरियाणवी लोककला, संस्कृति व सांस्कृतिक विरासत पर रहे हैं। इसके अलावा कुछ सामाजिक मुद्दों पर लिखनी चली। कविताएं प्रकृति, संस्कृति व प्रेम पर आधारित रही हैं। सुमन की आरम्भिक शिक्षा जाट स्कूल, रोहतक, फिर आईसी महिला महाविद्यालय से स्नातक तथा आगे की पढ़ाई कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय,से हुई। ये हेलना कौशिक महिला महाविद्यालय, मलसीसर (झुंझनू) में हिन्दी की सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत थी। घर से अधिक दूर होने के कारण नौकरी छोड़ दी। वर्तमान में ये ओम स्ट्रलिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी, हिसार में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डॉ सुमन कादयान की हरियाणा के संस्कार गीत, हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत, देवी शंकर प्रभाकर : बहुमुखी प्रतिभा के धनी, चिलमन से झांकती निगाहें, उसकी चाहतों का समन्दर, माट्टी की खुश्बू, महकता मधुमास, कतरा कतरा जिंदगी, रास्तों की शुरुआत और सुलगते जज्बाज आदि ग्यारह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इसके अलावा इनकी रचनाएं देशभर के विभिन्न पत्र पत्रिकाओं और समाचारों में प्रकाशित होती हैं तथा रोहतक, कुरुक्षेत्र तथा हिसार आकाशवाणी से वार्ताएं प्रसारित हुई हैं।

डॉ सुमन कादयान

पुरस्कार व सम्मान

डॉ सुमन कादयान देवीशंकर प्रभाकर अवार्ड, पंजाब कला साहित्य अकादमी पंजाब का विशेष अकादमी सम्मान, निराला कला साहित्य संस्थान, बस्ती (यूपी) से 'राष्ट्रीय साहित्य गौरव' सम्मान, विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ, भागलपुर (बिहार) द्वारा 'साहित्य शिरोमणि' सम्मान के साथ-साथ अनेक संस्थाओं द्वारा सम्मानित हो चुकी हैं। जिसमें रानी लक्ष्मीबाई सम्मान, कवि त्रिलोचन सम्मान एस-एफ-वाई-डी- (दिल्ली) द्वारा प्रदान किये गए। फोटोग्राफी में हरियाणा लोक सम्पर्क विभाग तथा उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा भी सम्मान पा चुकी हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नामः डॉ सुमन कादयान
जन्मतिथिः 25 फरवरी 1972
जन्म स्थानः कंसाला रोहतक (हरियाणा)
शिक्षाः एम.ए. हिन्दी, पी.एच.डी. डी लिट मानद (विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ) भागलपुर बिहार

सृजनशील व्यक्ति को बार-बार आना चाहिए

पुस्तक समीक्षा | दिनेश दिनकर

पुस्तक : मैं फिर आऊंगा
लेखक : लक्ष्मीनारायण पांचाल
मूल्य : 200 रुपये
प्रकाशक : सुलेखा प्रकाशन

दस पुस्तकों के पन्नों पर कलम और चित्रकारी के हजारों पन्नों पर रंग की कूची चलाने वाले सृजनशील व्यक्ति लक्ष्मीनारायण पांचाल जी अपनी आत्मकथा के रूप में ग्यारहवीं पुस्तक 'मैं फिर आऊंगा' के साथ पाठकों के समक्ष उपस्थित हैं। उम्र और सृजन क्षेत्र में छह दशक बिता चुके वरिष्ठ कवि, लेखक और कला अध्यापक रहे पांचाल जी अपने अनुभवों को निचोड़ते हुए एक सार्थक आत्मकथा के रूप में प्रस्तुत करने में निश्चित रूप से सफल रहे हैं। पुस्तक में दस अध्यायों में अपने बचपन से लेकर पुस्तक छपने तक के निजी जीवन, शैक्षणिक जीवन, परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने अनुभवों, दायित्वों, विचारों को बेहद शालीनता के साथ यहां क्रमबद्ध किया गया है। लेखक ने अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ एक कुशल सृजनशील का परिचय देते हुए अपनी कमियों और समाज में सुधारों की ओर भी अपनी कलम को आजाद रखा है।

'मैं फिर आऊंगा' आत्मकथा में 70-80 के दशक की जीवनशैली से अनभिज्ञ पाठक जब लक्ष्मीनारायण की दिनचर्या को पढ़ते हैं, पुस्तक में संकलित इनकी यात्रा वृत्तांत को पढ़ते हुए इसमें शामिल होते हैं तो लगता है मानो सामने कोई चलचित्र चल रहा हो। इस बात का जिक्र आत्मकथा में लेखक की पोती अवन्तिका भी करती रहती है। यहां शब्दों के चयन, लेखक के साहित्यिक अनुभव की तारीफ करना एक कृतज्ञता लगता है। जवाहर नवोदय विद्यालय में कला अध्यापक के पद पर रहते हुए लेखक को भारत के भिन्न-भिन्न प्रदेशों में पोस्टिंग, अलग-अलग तरह के विचारों के विद्यार्थियों, शिक्षकों और लोगों से मिलने का अवसर मिलता रहा है। जिसके परिणामस्वरूप यहां आत्मकथा में घटनाओं, अनुभवों और उपलब्धियों में अधिकता देखने को मिलती है। निश्चित रूप से जवाहर नवोदय विद्यालय से संबंध रखने वाले लाखों विद्यार्थी और स्टाफ के साथ कला और साहित्य प्रेमियों के लिए यह पुस्तक एक ऐतिहासिक धरोहर के रूप में अपनी पहचान बनाएगी।

यहां कहना अतिश्योक्ति होगा कि निजी जीवन, परिवार, समाज, शिक्षा, देश की संस्कृति, तकनीक, पारिवारिक संस्कार और एक नागरिक होने के प्रति जिम्मेदारी इत्यादि को लेकर सच्चाई से परिचय करवाते हुए रेखांकित घटनाओं में काल्पनिकता का अभाव है जिससे पाठक इस आत्मकथा और यात्रा वृत्तांत से अपनापन महसूस करेंगे।

साहित्यकारों के जीवन में झांकती किताब

पुस्तक समीक्षा | अरुण कुमार कैहरबा

पुस्तक : आत्मकथाएंः साहित्यिक परिवेश
लेखक : डॉ. सुरेन्द्र कुमार
मूल्य : 300 रुपये
प्रकाशक : कलमकार पब्लिशर्स

डॉ. सुरेन्द्र कुमार की 'आत्मकथाएंः साहित्यिक परिवेश' साहित्यकारों के जीवन में झांकने वाली एक बेहतरीन किताब है। रामदरस मिश्र, हंसराज रहबर, हरिवंश राय बच्चन, गोपाल प्रसाद व्यास, उपेन्द्रनाथ अश्क, डॉ. नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, काका हाथरसी, ओम प्रकाश वाल्मिकी सहित कितने ही साहित्यकारों की आत्मकथाओं के जरिये उनके प्रसंग इस किताब में संजोए गए हैं। साहित्यकारों के आपसी संबंधों और विशेष घटनाओं का किताब में विवरण ही नहीं है, बल्कि उनके साहित्य के प्रेरक तत्वों की समीक्षा भी है। किताब को छह अध्यायों में बांटा गया है, जिनमें पहला अध्याय 'काव्य लेखन का साहित्यिक परिवेश' है। यह अध्याय किताब के सबसे अधिक पन्ने ले गया है। इसका एक कारण तो यह लगता है कि लेखक की कवियों व उनकी कविताओं में दिलचस्पी है। दूसरा कारण यह भी लगता है कि पुस्तक का हिस्सा बने अधिकतर साहित्यकार लेखन की शुरूआत काव्य लेखन से ही करते हुए दिखाई देते हैं। लेखक कहता है- 'बच्चन, नगेन्द्र, अमृतलाल नागर, गोपाल प्रसाद व्यास, बेचन शर्मा उग्र, काका हाथरसी, निराला प्रायः सभी रचनाकारों ने काव्य लेखन के द्वारा ही साहित्य के क्षेत्र में कदम रखा। विभिन्न कवियों के काव्य-संग्रह और उनके समय के कवि सम्मेलन साहित्य और कविता के लिए माहौल का निर्माण करते हुए लोगों में चेतना का निर्माण कर रही थी।दूसरे अध्याय 'गद्य लेखन का साहित्यिक परिवेश' में कहानी, उपन्यास और नाटक आदि गद्य विधाओं पर आधारित किताबों के प्रसंग पढ़ने को मिलते हैं। 'साहित्यिक परिवेश व हिन्दी भाषा', 'साहित्यकारों का फक्कड़पन और पत्रकारिता', 'आलोचना की पृष्ठभूमि' और 'अनुवाद से संवाद' शीर्षक अध्याय अपनी संक्षिप्तता व सारगर्भिता के कारण पाठकों पर विशेष प्रभाव अंकित करते हैं।

पूरी किताब विभिन्न किताबों का निचोड़ प्रस्तुत करती है और पाठकों को साहित्यकारों के जीवन, उनकी बहुविध रचनाओं की पृष्ठभूमि के साथ ही अनूठा रसास्वादन करवाती है। लेखक को उनकी बेहतरीन किताब के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ। आशा है उनकी रचनात्मकता यूं ही विकास करेगी और आगामी किताबों में पाठकों को दिखाई देगी।

खबर संक्षेप

दूसरी बेटी के जन्म पर किया गया कुआं पूजन

खरखौदा। शहर के वार्ड 15 में दूसरी बेटी की जन्म पर कुआं पूजन किया गया। इस दौरान अड़ोस-पड़ोस के लोगों ने बेटी के जन्म पर परिवार को बधाई दी। आशा वर्कर सोनिया ने बताया कि रजनी और महेश के घर पर दूसरी रुहानी बेटी हुई है। पहली बेटी आराध्या का जन्म वर्ष 2020 में हुआ था। अब फिर से रजनी ने बीते महीने बेटी को जन्म दिया है। ऐसे में परिवार की तरफ से दूसरी बेटी के जन्म पर खुशियां मनाई जा रही है।

फूलमाला अर्पित कर मनाई बाबा साहब की जयंती

सोनीपत। गांव राठधना में बाबा साहेब अंबेडकर यूथ डेवलपमेंट वेलफेयर सोसायटी द्वारा संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर समता सैनिक दल की ओर से बतौर मुख्य अतिथि कैप्टन यशवंत राव चौहान प्रदेश अध्यक्ष समता सैनिक दल ने हिस्सा लिया

11 केवी की लाइन से 450 मीटर तार चोरी

गन्नौर। गुमड़ गांव के पास 11 केवी की लाइन से चोर 450 मीटर तार चोरी कर ले गए। निगम ने चोरी की शिकायत गन्नौर पुलिस को दी है। शिकायत में निगम के कर्मचारी ने बताया कि उनकी 11 केवी की लाइन है। गांव गुमड़ के पास 100 केवीए का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है। 3 मार्च की रात को चोर ट्रांसफार्मर के पास से करीब 450 मीटर तार चोरी कर ले गए। गन्नौर थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के विरूद्ध केस दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी है।

पड़ोसियों के साथ मारपीट पिता-पुत्र पर केस दर्ज

गन्नौर। भाखरपुर गांव में एक व्यक्ति ने अपने बेटे के साथ मिल कर व पड़ोसियों के साथ मारपीट कर दी। आरोपित ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। घायल ने मामले की शिकायत गन्नौर थाना पुलिस को दी है। शिकायत में भाखरपुर निवासी सुनील ने बताया कि शनिवार की शाम को वह अपने भाई के साथ घर पर था। इस बीच हरनाम व उसका बेटा घर आए और खेत से सामान उठाने की बात को लेकर उसके भाई के साथ मारपीट करने लगे।

घर में घुस कर मारपीट चार पर केस दर्ज

गन्नौर। खेड़ी तगा गांव में घर में घुस कर मारपीट के आरोप में पुलिस ने एक महिला समेत चार के विरूद्ध केस दर्ज किया है। बड़ी थाना में दी शिकायत में खेड़ी तगा गांव के अशोक ने बताया कि उसके चाचा जय भगवान व उनके घर आया था। आरोप है कि घर में आते ही उसके चाचा के लड़के विक्की ने उसे गाली दी और लोहे के कडे.से उसके सिर पर चोट मारी। विक्की के बड़े भाई जयबीर ने भी उसके साथ मारपीट की।

महिला के साथ मारपीट मां-बेटे पर केस दर्ज

गन्नौर। बजाना कला गांव में एक महिला व उसके बेटे ने गांव की महिला के साथ मारपीट कर दी। घायल महिला ने मामले की शिकायत थाना गन्नौर में दी। शिकायत में बजाना कला गांव की मनीषा ने बताया कि 20 अप्रेन को वह अपने घर के बाहर कपड़े धो रही थी। इस बीच वहां पर दर्शना अपने पालतू कुत्ते के साथ उनके मकान के सामने गोबर डालने आई थी। उसके कुत्ते ने उनके बर्तनों पर पेशाब कर दिया। इसके बाद दर्शना का बेटा मंजीत भी वहां आया उसका गला दबा कर नीचे गिरा दिया और उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि मंजीत ने उस पर ईंट से हमला किया।

बीसीए तृतीय वर्ष की कीर्ति बनी मिस फेयरवेल

छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर सभी को किया आकर्षित

गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन में निवर्तमान बैच का विदाई समारोह किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

कार्यक्रम के दौरान विजेता छात्र कालेज प्राचार्या डा. अर्चना आर्य के साथ।

निशु त्यागी को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते निदेशक अनुज त्यागी व अन्य

गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन में निवर्तमान बैच का विदाई समारोह किया गया। छात्रों ने पुरानी यादों और हंसी से भरे कार्यक्रम में विभिन्न छात्रों को उपाधियों से सम्मानित किया गया। बीसीए तृतीय वर्ष के किशोर को मिस्टर फेयरवेल का ताज पहनाया गया, बीसीए तृतीय वर्ष की कीर्ति को मिस फेयरवेल का खिताब दिया गया। बीसीए तृतीय वर्ष के सागर दुग्गल ने मिस्टर टैलेंटेड और बी.ए. की मंजू ने मिस टैलेंटेड का खिताब जीता। विशाल बीएससी तृतीय वर्ष को मिस्टर पर्सनैलिटी एवं आरती को बी.ए. से मिस पर्सनैलिटी का खिताब दिया गया। जीएनआईएचई के चेयरमैन ने सभी छात्रों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं और उन्हें अपने चुने हुए रास्ते पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रिंसिपल डॉ. अर्चना आर्य ने भी छात्रों को उनके भविष्य के सभी प्रयासों में सफलता की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में अरविंद, ज्योति, रेनू और मीनू सहित बड़ी संख्या में छात्रों और स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

करियर काउंसलिंग में छात्रों का किया मार्गदर्शन

एसआरके सेंटर के निदेशक जोगिन्द्र व स्वाति अतिथि निशु त्यागी व अन्य का स्वागत करते हुए।

गन्नौर। डीआईटीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में एस आरके स्किल सेंटर व सोनीपत एजुकेशन हब द्वारा कैरियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया। जिसमें 208 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में एक्सपर्ट मोहित बंसल ने बताया कि 10वीं और 12वीं के बाद बच्चे कैसे अपने विषय चुन सकते हैं और कैसे अपना भविष्य बना सकते हैं। कार्यक्रम में यूपीएसई में 752 वां रैंक हासिल करने वाली निशु त्यागी,डीआईटीएम कॉलेज के डायरेक्टर डॉ नीरज शर्मा ,एसआरके स्किल सेंटर के डायरेक्टर स्वाति व जोगिंद्र ने शिरकत कर छात्रों का मार्गदर्शन किया। इस मौके पर राजेश देवेंद्र साक्षी व प्रियंका मौजूद रहे। सेंटर के डायरेक्टर जोगिंदर राजपूत सिंह ने सभी विद्यार्थियों को मोटिवेट करते हुए कहा कि आज के प्रोग्राम का हमारा मुख्य उद्देश्य आपके लक्ष्य चुनने में मदद करना था। कार्यक्रम में आए अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

यूपीएसई में चयनित निशु के सम्मान में हुआ समारोह का आयोजन

- स्कूल के निदेशक अनुज त्यागी व मुख्याध्यापिका प्रिया त्यागी ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया
- निशु त्यागी ने छात्रों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

जी टी रोड स्थित गार्गी गुरूकुल में यूपीएसई की परीक्षा में 752 वां रैंक हासिल करने वाली निशु त्यागी का गुरूकुल में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। स्कूल के निदेशक अनुज त्यागी व मुख्याध्यापिका प्रिया त्यागी ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। निशु त्यागी ने छात्रों को अपने संबोधन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। त्यागी ने सभी विद्यार्थियों को सिविल सर्विस परीक्षा के बारे में जानकारी दी और उन्हे देश की सेवा करने के लिए प्रेरित किया उन्होंने बताया कि वह गार्गी अकडेमी में अध्यापिका भी रह चुकी है। उन्होंने विद्यार्थियो को बताया कि सफलता का रहस्य केवल परिश्रम और दृढ़ संकल्प है। उन्होंने कहा कि मन में कुछ करने की इच्छा हो और मेहनत की जाए जो आप अपने लक्ष्य तक पहुंच सकते है।

गोहाना। कलश यात्रा स्थापना समारोह में ग्रामीणों के साथ रणदीप मलिक।

हमारी संस्कृति हमारी पहचान और हमारी धरोहर : रणदीप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गांव रुखी में रविवार को दादी रुखा मंदिर पर कलश स्थापना समारोह आयोजित किया गया। मंदिर पर कलश स्थापना विधि विधान के साथ आयोजित की गई। इस विधान में पहले हवन हुआ और 108 सुहागिनों द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। हवन के मुख्य यजमान समाजसेवी रणदीप मलिक रहे। यह समारोह रभड़ा से बाबा चमन नाथ और बाबा ब्रदीनाथ के सानिध्य में सम्पन्न हुआ।

गांव रूखी के दादा रूखा मंदिर में पूरे गांव की आस्था है। ग्रामीणों द्वारा करीब 1 साल पहले इस मंदिर का निर्माण करवाया गया था। मंदिर निर्माण में समाजसेवी रणदीप मलिक ने 11 लाख 11 हजार 11 रुपये की राशि दानस्वरूप दी थी। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति हमारी पहचान और हमारी धरोहर है। हमें अपनी पहचान को बनाए रखने के लिए अपनी संस्कृति को मजबूत बनाना होगा। मंदिर में कलश स्थापना समारोह कई दिन तक चला, जिसमें प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक हवन करवाया गया। दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक पूजन क्रिया हुई। इस मौके पर गांव के सरपंच राजमल मलिक, जय भगवान फौजी, प्रधान हरज्ञान सिंह, रामकुमार चहल, सोनू व अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

शादी का झांसा देकर युवती से कई बार दुष्कर्म

गोहाना। महिला थाना गोहाना क्षेत्र की 21 साल की युवती को करनाल के एक युवक ने शादी का झांसा देकर उससे कई बार दुष्कर्म किया। उनकी मुलाकात प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते समय हुई थी। शादी से मना करने पर युवती ने पुलिस को शिकायत दी। शहर थाना गोहाना में मामला दर्ज किया गया। युवती ने पुलिस को बताया कि वह एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती थी। करनाल का एक युवक भी नौकरी करता था, जिससे उसका संपर्क हुआ।

एसीपी ने हरी झंडी दिखाकर 182 प्रभू को भेजा आश्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। प्रभु को आश्रम भेजने के लिये हरी झंडी दिखाते हुए एसीपी।

समाज कल्याण शिक्षा समिति व सब इंस्पेक्टर जगत सिंह द्वारा मंदबुद्धि एवं बेसहारा (प्रभु) को पकड़कर आश्रम भेजने की मुहिम चलाई जा रही है। इसी मुहित के तहत समिति द्वारा रविवार को 182वां प्रभु आरम भेजा गया।

समिति के प्रधान आनंद कुमार ने बताया कि मंजीत दहिया को गीता भवन चौक पर एक प्रभु मिला। मंजीत दहिया ने पहले उस प्रभु की वीडियो बनाकर प्रधान आनंद कुमार को भेजी और फिर 112 पर फोन किया। 112 वाली गाड़ी आई और उस प्रभु को सिविल लाइन थाने में ले गई। तब तक आनंद कुमार ने अपना घर आश्रम दिल्ली पुटखुर्द से एंबुलेंस को बुला लिया। सिविल लाइन थाने से पुलिस फॉर्मेलिटी करवा ली गई, उसके बाद उस प्रभु को एसीपी राहुल देव द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

सिसाना में निकली कलश यात्रा

खरखौदा। सिसाना के प्राचीन शिव मंदिर में रविवार को हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में कलश यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालु महिलाओं ने पहुंचकर कलश उठाए और गांव भर में निकाली गई कलश यात्रा का हिस्सा बनी। इस दौरान ढ़ोल बाजे व भजनों के साथ यात्रा को निकाला गया। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम के तहत सोमवार को मंदिर में एक हवन का आयोजन किया जाएगा और मंगलवार को एक विशाल भंडारे के साथ ही रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही भजन मंडली द्वारा इस दौरान भजन-कीर्तन किए जाएंगे।

पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

रौनक पब्लिक स्कूल में पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में पौधारोपण का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या रजनी शर्मा के निर्देशन में कक्षा 12वीं के छात्रों के साथ शिक्षकों ने इस पुनीत कार्य में अपना सहयोग दिया। प्रधानाचार्या रजनी शर्मा ने बताया कि भावी पीढ़ी को सुसंस्कृत करना ही वास्तविक शिक्षा है। भारतीय संस्कृति में तो पेड़ों की पूजा की जाती रही है। हमारे वेद संपूर्ण संसार को प्रकृति के महत्व बताने वाले प्रथम प्रमाणित ग्रंथ हैं और हम इस धरोहर को भावी पीढ़ी तक केवल पहुंचाना ही नहीं उनमें समाहित भी करना है ताकि आने वाली पीढ़ियां भी प्रकृति से इतर जीवन की कल्पना ना करें। रौनक पब्लिक स्कूल अपने पुरोधाओं की वाणी को जन-जन तक पहुंचाने व कर्मरत करने के पुनीत कार्य को सदा की भांति अग्रणी बनकर करता रहेगा। शर्मा ने कहा कि पौधरोपण के साथ हमें उनकी देखरेख का भी संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम में शिक्षकों ने भी छात्रों को पृथ्वी दिवस के बारे में जागरूक कियाँ

गन्नज़ौर। पौधारोपण करते हुए पृथ्वी दिवस पर रौनक पब्लिक स्कूल के छात्र व शिक्षक।

- प्रधानाचार्या रजनी शर्मा ने छात्रों को पेड़ों के महत्व के बारें अवगत कराया

मनुष्य को हमेशा सच्चाई के मार्ग पर चलना चाहिए : वीरेंद्र कादियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

शहर के श्री 1008 श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन समाज, जैन गली में सकल दिगंबर समाज गन्नौर की ओर से भजन संध्या एक शाम भगवान महावीर के नाम का आयोजन किया गया। रविवार को सुबह प्रभात फेरी के बाद शहर में रथयात्रा निकाली गई, जोकि शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए मंदिर में समापन हुआ। भजन संध्या में समाज की प्रतिभाओं ने वीर प्रभु महावीर की भक्ति का ऐसा राग छेड़ा कि भक्त उनके भजनों पर थिरकने से स्वयं को नहीं रोक पा रहे थे। भजन संध्या की शुरूआत दीप प्रज्जवल एवं वीर प्रभु की वंदना के साथ हुई। मुख्यातिथि समाजसेवी वीरेंद्र कादियान ने कहा कि मनुष्य को सच्चाई के मार्ग पर चलना चाहिए। ईश्वर की भक्ति और दान पुण्य मनुष्य को करते रहना चाहिए। भगवान महावीर के बताए मार्ग पर चलना चाहिए। हमेशा दूसरे व्यक्ति की सहायता के लिए तैयार रहना चाहिए। कार्यक्रम समापन पर मुख्यातिथि वीरेंद्र कादियान को आयोजकों ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

रथयात्रा निकाल मनाई भगवान महावीर स्वामी की जयंती मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

रथयात्रा में शामिल पूर्व मंत्री कविता जैन साथ में अन्य। फोटो : हरिभूमि

देश-दुनिया को अहिसां एवं मानवता का संदेश देने वाले भगवान महावीर की 2623वीं जयंती शहर में धूमधाम से मनाई गई। शहर में रथयात्रा के साथ-साथ सुबह-सुबह अलग-अलग स्थानों पर प्रभात फेरियों व पालकी यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें बडी संख्या में महिला व पुरुष श्रद्धालु नाचते गाते चल रहे थे।

सुबह पांच बजे सैक्टर 14 से शुरू हुई प्रभात फेरी का नेतृत्व करते हुए मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार एवं वरिष्ठ भाजपा नेता राजीव जैन ने महावीर जयंती की बधाई देते हुए भगवान महावीर के अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, क्षमा जैसे सिद्धांतों को आत्मसात करके जीवन में अपनाने का संदेश दिया। पूर्व कैबिनेट मंत्री कविता जैन एवं दिव्यांक जैन द्वारा झंडी दिखाकर सैक्टर 15 मंदिर से भगवान महावीर पालकी रथ में सवार होकर धूमधाम से निकले। इससे पूर्व दिगम्बर जैन मंदिर मंडी में तीन दिन से चल रहे उत्सव के समापन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सोनीपत। अधिवेशन में मौजूद पदाधिकारीगण। फोटो : हरिभूमि

भवन निर्माण श्रमिक संघ का अधिवेशन संपन्न

सोनीपत। सेवा साधना केंद्र मुरथल सोनीपत में भवन निर्माण श्रमिक संघ हरियाणा का अधिवेशन राम मेहर जांगड़ा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर प्रदेश भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री हवा सिंह मैहला, प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार, प्रदेश मंत्री देवीलाल खुराना, जयदेव कोटड़ा उपस्थित रहे। इस दौरान प्रदेश महामंत्री रवि कुमार, उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार वर्मा, उपाध्यक्ष नीरज कुमार मावी, कोषाध्यक्ष रजत, संगठन मंत्री देवीलाल गुणा, प्रेस सचिव विनोद खेड़ा, सलाहकार जयदेव कोटडा, मोमीन आदि मौजूद रहे।

जयंती पर स्वर्णिम रथ पर निकाली भगवान महावीर की शोभायात्रा

- शहर में जगह-जगह पर शोभायात्रा पर बरसाए फूल, किया भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। शोभायात्रा निकालते हुए श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

रविवार को 24वें जैन तीर्थंकर भगवान महावीर की जयंती पर गोहाना शहर में उनकी शोभायात्रा ऐतिहासिक स्वर्णिम रथ पर निकाली गई। शोभायात्रा का शहर में जगह-जगह पर भव्य स्वागत हुआ।

गोहाना में प्रति वर्ष स्वर्णिम रथ पर ही भगवान महावीर की शोभायात्रा निकाली जाती है। यह रथ ऐतिहासिक है। कितनी सदियों पुराना है, इस का कोई आधिकारिक विवरण उपलब्ध नहीं है। पूरे वर्ष इस स्वर्णिम रथ को जैन समाज बड़े सहेज कर रखता है। इसे केवल भगवान महावीर की जयंती पर बाहर निकाला जाता है। शोभायात्रा सराय मोहल्ला स्थित श्री शांति नाथ दिगंबर जैन मंदिर से पूरी धूमधाम से प्रारंभ हुई। शोभायात्रा का विशेष आकर्षण भगवान महावीर के जीवन पर आधारित पांच झांकियां थीं। शोभायात्रा में भगवान महावीर के सारथी प्रवेश उर्फ रिंकू जैन पुत्र सतीश जैन बने। इस शोभायात्रा से पूर्व शनिवार की रात को मेन बाजार स्थित जैन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि स्कूल के मैनेजर वीरेंद्र जैन उर्फ गुल्लू थे। अध्यक्षता स्कूल के प्रिंसिपल के.एल. दुरेजा ने की।

आयोजन आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के तत्वावधान में हुआ कार्यक्रम

श्रद्धांजलि समारोह में जैन धर्म के अनुयायियो ने स्वामी माहावीर को किया नमन

सत्य अहिंसा और त्याग के परिपालक थे भगवान महावीर

पुराना बस स्टैंड गोहाना स्थित भगवान महावीर चौक पर स्वामी महावीर की जयंती पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। भगवान महावीर को नमन करते हुए नागरिक। फोटो : हरिभूमि

पुराना बस स्टैंड गोहाना स्थित भगवान महावीर चौक में रविवार को भगवान महावीर की जयंती पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। समारोह में नागरिकों ने भगवान महावीर के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि देकर नमन किया। समारोह का मंच संचालन मोर्चे के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने किया।

मुख्य अतिथि गोहाना की गौशालाओं के पूर्व अध्यक्ष जय नारायण गुप्ता ने कहा भगवान महावीर सत्य, अहिंसा और त्याग के परिपालक थे। उन्होंने जीवन भर अनगिनत संघर्षों को झेला, दुखों को सहा, दुख में से सुख खोजा और गहन तप एवं साधना के बल पर सत्य तक पहुंचे। इसलिए वे हमारे लिए आदर्श की ऊंची मीनार बन गए। भगवान महावीर ने हमें समझ दी की महानता कभी भौतिक पदार्थों, सुख सुविधाओं, संकीर्ण सोच एवं स्वार्थी मनोवृति से प्राप्त नहीं की जा सकती। उसके लिए सच्चाई को बटोरना होता है, नैतिकता के पथ पर चलना होता है और अहिंसा की जीवन शैली अपनानी होती है। जयंती समारोह की अध्यक्षता मोर्चे के निदेशक डॉ. सुरेश सेतिया ने की। इस अवसर पर मोर्चे के महासचिव डॉ. समुद दास, हर भगवान चोपड़ा, राजपाल कश्यप, सतबीर पौडिडिया , रमेश मेहता, एडवोकेट रविंद्र शर्मा ,मदन अत्री, सतबीर रैबारी, जग महेंद्र बाजवान ,सचिन बाजवान ,हर भगवान चोपड़ा प्रभु कथूरिया व बिट्टू सहरावत विशेष रूप से उपस्थित रहे।

डीसी ने सभी खरीद एजेंसियों के गोदामों का किया निरीक्षण

उपायुक्त ने लेबर को बढ़ाकर उठान कार्य को गति देने के दिए निर्देश

■ सोनीपत-माहरा व गोहाना स्थित गोदामों की जांच करते हुए गेहूं के कट्टों को उतारने के लिए प्वाइंट बढ़ाने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

मौसम के बदलाव के चलते खेत में गेहूं की फसल कटवाने के लिए किसानों ने आधुनिक मशीनरी का प्रयोग करने में तेजी दिखानी शुरू कर दी है। जिसके चलते मंडियों में गेहूं की फसल कम समय में ज्यादा मात्रा में पहुंचने लगी है। मंडियों में अनाज की बोरियों भरी पड़ी है। वहीं किसानों को मजबूरन खुले आसमान के चीने अपना सोना डालना पड़ रहा है। वहीं अनाज मंडियों व फसल खरीद केंद्रों में फसल उठान को गति देने के उद्देश्य से उपायुक्त ने रविवार को सभी खरीद एजेंसियों के गोदामों का गंभीरता से निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि उपलब्ध क्षमता का पूर्ण उपयोग करते हुए लेबर को बढ़ाकर उठान कार्य को गति दी जाए। इसके लिए उन्होंने गोदामों में अनलोडिंग प्वाईंट्स को भी बढ़ाने के निर्देश दिए। उपायुक्त डा. मनोज कुमार अनाज मंडियों में फसलों की आवक में आई तेजी के दृष्टिगत उठान कार्य को भी गति देने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने उठान कार्य का लक्ष्य निर्धारित करते हुए उसकी पूर्ति के लिए तेज कदम बढ़ाये हैं। जिला उपायुक्त सुबह ही स्वयं गोदामों के निरीक्षण के लिए निकले। उन्होंने हरियाणा वेयरहाऊस, हैफेड, डीएफएससी तथा एफसीआई के गोदामों की बारीकी से जांच की, जिसकी शुरूआत उन्होंने रोहतक रोड पर कालुपुर चुंगी के निकट एचडब्ल्यूसी के गोदाम की पड़ताल से की। उसके बाद उपायुक्त माहरा स्थित गोदाम में पहुंचे, जहां गन्नौर, कासंडा तथा पुरखास से गेहूं आता है। उन्होंने ट्रांसपोर्टर, आढ़तियों तथा गोदाम संचालकों से सीधी बात करते हुए गोदाम में गेहूं उतारने की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि अनलोडिंग कार्य को गति देने के लिए लेबर को बढ़ायें। दिन-रात उठान व अनलोडिंग का काम करें, ताकि मंडियां जल्द खाली हों। इसके पश्चात उपायुक्त डा. मनोज कुमार पहुंचे। गोहाना में एफएसडी की जांच के बाद उन्होंने एचडब्ल्यूसी तथा हैफेड के गोदामों की पड़ताल की। उन्होंने निर्देश दिए कि गोदामों में अनलोडिंग प्वाईंट बढ़ायें, ताकि गाड़ियों को जल्द खाली करवाया जा सके। इससे उठान कार्य का विशेष रूप से गति मिलेगी। उन्होंने सभी गोदामों में अतिरिक्त रूप से क्षमता अनुसार दो से चार हजार मीट्रिक टन गेहूं के रखाव के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि गेहूं उठान से मंडियों में स्थान की उपलब्धता बढ़ेगी, जिससे शेष बची फसल की भी तुरंत खरीद होगी। इसके लिए गोदामों में लेबर बढ़ाने की आवश्यकता थी, जिसके निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान गोहाना के एसडीएम विवेक आर्य, जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक विशल सहरावत, हैफेड के डीएम उमाकांत, मार्केट कमेटी गोहाना के सचिव जितेंद्र कुमार तथा गन्नौर के दीपक आदि अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

सोनीपत। गोदाम पर निरीक्षण करने के दौरान मौजूद उपायुक्त व अन्य अधिकारी और मंडी में रखी गेहूं की बोरियां। फोटो : हरिभूमि

गोहाना। निरीक्षण के दौरान जिला उपायुक्त डा. मनोज कुमार, साथ में एसडीएम विवेक आर्य व अन्य अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

गेहूं के कट्टे उतारने के लिए प्वाइंट्स बढ़ाने के निर्देश

■ अनाज मंडियों व फसल खरीद केंद्रों में फसल उठान को गति प्रदान करें : डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

अनाज मंडियों व फसल खरीद केंद्रों में फसल उठान को गति देने के उद्देश्य से रविवार को जिला उपायुक्त डा. मनोज कुमार ने सभी खरीद एजेंसियों के गोदामों निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि उपलब्ध क्षमता का पूर्ण उपयोग करते हुए लेबर को बढ़ाकर उठान कार्य को गति दी जाए।

उन्होंने गोदामों में अनलोडिंग प्वाईंट्स को भी बढ़ाने के निर्देश दिए। उपायुक्त डा. मनोज कुमार अनाज मंडियों में फसलों की आवक में आई तेजी के दृष्टिगत उठान कार्य को भी गति देने के लिए प्रयासरत हैं। उठान कार्य का लक्ष्य निर्धारित करते हुए उसकी पूर्ति के लिए तेज कदम बढ़ाये हैं। जिला उपायुक्त उन्होंने हरियाणा वेयरहाऊस, हैफेड, डीएफएससी तथा एफसीआई के गोदामों की बारीकी से जांच की। उन्होंने निर्देश दिए कि गोदामों में अनलोडिंग प्वाइंट बढ़ाए जाएं ताकि गाड़ियों को जल्द खाली करवाया जा सके। इससे उठान कार्य का विशेष रूप से गति मिलेगी। उन्होंने सभी गोदामों में अतिरिक्त रूप से क्षमता अनुसार दो से चार हजार मीट्रिक टन गेहूं के रखाव के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि गेहूं उठान से मंडियों में स्थान की उपलब्धता बढ़ेगी, जिससे शेष बची फसल की भी तुरंत खरीद होगी। इस दौरान गोहाना के एसडीएम विवेक आर्य, जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक विशल सहरावत, हैफेड के डीएम उमाकांत, मार्केट कमेटी गोहाना के सचिव जितेंद्र कुमार तथा गन्नौर के दीपक आदि मौजूद थे।

खबर संक्षेप

अलग-अलग स्थानों से अवैध हथियार सहित दो

सोनीपत। क्राइम यूनिट वेस्ट व सदर थाना सोनीपत पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से अवैध हथियारों सहित दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित रमन निवासी रिठाल रोहतक व अक्षय उर्फ अक्की निवासी बागड़ी मोहल्ला सोनीपत का है। सीआईए-1 में तैनात सिपाही राजेश ने बताया कि उनकी टीम गश्त के दौरान बहालगढ़ रोड पर मौजूद थी। उसी दौरान युवक संदिग्ध हालत में घुमता हुआ मिला। उसे रोककर उसकी तलाशी ली तो उसके पास अवैध हथियार व दो जिंदा रौंद मिले। वहीं सदर थाने में तैनात सिपाही प्रदीप ने बताया कि उनकी टीम ने गश्त के दौरान महलाना रोड से संदिग्ध हालत में घुम रहे आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित के पास से पुलिस ने पिस्तौल व जिंदा रौंद बरामद किया है।

मारपीट के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। मुरथल थाना पुलिस ने मारपीट के मामले में उद्घोषित दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित सुनील उर्फ सुशील व रवि निवासी कादीपुर दिल्ली के है। जांच अधिकारी जोगिंद्र ने बताया कि वर्ष 2018 में मारपीट के मामले में फरार आरोपितों को अदालत ने 2024 में फरार अपराधी घोषित किया था।

युवक की संदिग्ध हालत में मौत, पिता पर आरोप

सोनीपत। मोहाना थाना क्षेत्र में संदिग्ध हालत में युवक की मौत हो गई। मृतक के परिजन उसके शव का दाह संस्कार करने लगे। किसी अज्ञात सूचना के बाद मौके पर पहुंची मोहाना थाना पुलिस ने चिता से शव के अवशेषों को निकाला। उसके बाद अवशेषों को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। पुलिस ने गांव के सरपंच के बयान पर मृतक के पिता के खिलाफ हत्या व शव को खुर्द-बुर्द करने का मुकदमा दर्ज कर लिया है। सोमवार को शव के अवशेषों का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। गांव बोहला निवासी राजसिंह ने बताया कि वह मौजूदा समय में गांव का सरपंच है। रविवार सुबह उसे पता चला कि रोहित (23) की मकान की सीढ़ियों से गिरने से लगी चोटों के कारण मौत हो गई। जिसके बाद वह ग्रामीण व रोहित के परिजन उसके शव का अंतिम संस्कार करने के लिए श्मशान घाट पहुंचे। जहां अंतिम संस्कार में खुद शामिल हुआ। उसे जानकारी मिली कि रोहित की मौत सीढ़ियों से गिरने से नहीं बल्कि उसके पिता जयप्रकाश द्वारा मारी गई चोटों के कारण हुई है। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने श्मसाान घाट में जल रही चिता से रोहित के शव के अवशेषों को निकाला। चिता में रोहित का शव करीब 80 प्रतिशत जल चुका था। उसे कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। जहां से चिकित्सक ने उसे पोस्टमार्टम के लिए महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल खानपुर में रेफर कर दिया।

पीपल, बरगद और नीम के 14 पौधे रोपे

गोहाना। रविवार को समाज कल्याण संगठन ने अपने साप्ताहिक पौधारोपण अभियान में शहर में आरओबी के निकट पार्क रोड पर स्थित श्मशान घाट में पौधे रोपे। इस श्मशान घाट में कुल 14 नए पौधे रोपे। ये पौधे पीपल, बरगद और नीम के थे। समाज कल्याण संगठन दो दशक से गोहाना शहर को ग्रीन सिटी बनाने के लिए पौधारोपण अभियान संचालित कर रहा है। इस श्रृंखला में हर रविवार को जहां सार्वजनिक स्थलों पर नए पौधे लगाए जाते हैं, वहीं पहले से लगे हुए पुराने पौधों की देखभाल करते हुए उनकी नलाई और गुड़ाई भी की जाती है तथा उन्हें वाटर टैंकर से पानी दिया जाता है। पौधारोपण के लिए श्रमदान बलजीत जांगड़ा, सुनील कुमार, अभिमन्यु शर्मा, डॉ. बिजेंद्र कुमार, सुभाष दरोगा, प्रवीण कुमार, जगदीश अस्सीवाल, मनोज कुमार, हरीश कुमार, मुकेश कुमार, अजीत चौहान आदि ने किया।

झगड़े से परेशान बुजुर्ग मोबाइल टॉवर पर चढ़ा

गोहाना। गांव मदीना में पड़ोसियों के झगड़े से परेशान एक बुजुर्ग रविवार दोपहर को गांव में चौपाल के निकट मोबाइल टावर पर चढ़ गया और आत्महत्या की धमकी देने लगा। उसने एक कागज पर परेशान करने वाले लोगों के नाम भी लिखे। बुजुर्ग के टावर पर चढ़ने की सूचना पर बरोदा थाना से पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों और ग्रामीणों ने उसे समझाकर टावर से नीचे उतारा और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। गांव मदीना का आनंद (70) शुक्रवार दोपहर लगभग 12 बजे गांव में चौपाल के निकट मोबाइल टावर के पास पहुंचा। दोपहर लगभग दो बजे वह टावर पर काफी ऊंचाई पर चढ़कर बैठ गया और कुछ लोगों द्वारा बेवजह परेशान करने का आरोप लगाकर आत्महत्या की धमकी देने लगा। इससे टावर के पास ग्रामीणों को जमावड़ा लग गया। उसने एक कागज नीचे फेंका, जिस पर लिखा गया था कि सतीश, गीता, जतीन उसके परिवार से झगड़ा करते हैं। 17 मार्च को उससे झगड़ा किया गया और उसके और उसके स्वजन के विरुद्ध मामला दर्ज करवा दिया गया। एक व्यक्ति स्वयं को डाक्टर बताता है और फैसला करवाने के लिए मोटी रकम की मांग करता है।

खरखौदा। शहर में भगवान की मूर्तियों की परिक्रमा कराते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

वार्ड चार के मंदिर में की गई मूर्ति स्थापना स्थापना से पहले करवाई परिक्रमा

खरखौदा। शहर के थाना कलां मार्ग स्थित वार्ड चार में नवनिर्मित मंदिर में मूर्ति स्थापना कर प्राण प्रतिष्ठा की गई। जिससे पहले मूर्तियों की शहर भर में परिक्रमा करवाई गई। इस अवसर पर डा. अनिल दहिया ने बताया कि वार्ड चार में कोई मंदिर नहीं था। ऐसे में आसपास के लोग लगातार मंदिर बनाने की मांग करते आ रहे थे। इसी को लेकर वार्ड चार में इस मंदिर का निर्माण किया गया है। जिसमें आज मूर्ति स्थापना करने से पहले मूर्तियों की शहर में परिक्रमा करवाई गई है। इस दौरान डा. अनिल दहिया ने कहा कि सनातन धर्म को आज के समय और मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह वह धर्म है जो किसी का विरोध नहीं करता है। रविवार को बड़ी ही श्रद्धा के साथ वार्ड वासियों ने मिलकर मंदिर में मूर्तियों के स्थापना से पूर्व शहर की परिक्रमा की है। जिसमें भगवान राम-सीता, मां दुर्गा, हनुमान, शिवलिंग और नंदी महाराज की मूर्तियां शामिल रही।

टाटा एसीई ने बाइक सवार को चपेट में लिया

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र के नाथूपुर फ्लाईओवर के पास तेज रफ्तार टाटा एसीई ने मोटरसाइकिल सवार युवक को चपेट में ले लिया। हादसे में युवक घायल हो गया। उपचार के लिए उसे नरेला दिल्ली स्थित राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

पुलिस ने आरोपित चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। गली नंबर-8 दयालपुर दिल्ली निवासी सीरानुद्दीन ने उसका भाई नसरूदीन व मो. समीम पीयूएफ पैनल का काम करते है। रविवार को करीब 9 बजे बाइक पर सवार होकर सोनीपत सामान लेने के लिए आए हुए थे।

अवैध शराब से लदी दो गाड़ियां पकड़ी

खरखौदा। सीआइए, सोनीपत की टीम ने खरखौदा से अवैध शराब से भरी दो गाड़ियां पकड़ी हैं। जिनमें शराब को लादकर बिहार ले जाया जा रहा था। पुलिस कार्यवाही के दौरान गाड़ी का चालक फरार हो गया, जबकि दूसरी गाड़ी के चालक को पुलिस ने पकड़ लिया। चालक करनाल की विकास कालोनी का रहने वाला मोनू है। सीआइए, सोनीपत को सूचना मिली थी कि खरखौदा के रास्ते बिहार शराब ले जायी जानी है। सूचना पर एएसआई सुरेंद्र ने वाहनों पर नजर रखनी शुरू कर दी। सोनीपत चौक के पास पुल के करीब टीम ने दो गाड़ियों को आता देखकर शक के आधार पर रुकने का इशारा किया तो उन्होंने भागने का प्रयास किया। ऐसे में गाड़ी का चालक तो गाड़ी छोड़कर फरार हो गया, दूसरे को टीम ने पकड़ लिया।

आरपीएफ डीजी ने शहीद हवलदार को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

रविवार को सीआरपीएफ के डीजी कोमल सिंह आहुलाना गांव में पहुंचे और शहीद हवलदार हवा सिंह के 31वें शहीदी दिवस पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की।

सीआरपीएफ ने एक नई परम्परा प्रारंभ की है। सीआरपीएफ में कार्यरत रहते जो जवान अपने प्राणों की आहुति देते हैं, उनके शहीदी दिवस पर सीआरपीएफ की पूरी टीम शहीद के पैतृक गांव में पहुंच कर नमन करती है। श्रद्धांजलि सभा के आयोजन के लिए सीआरपीएफ की टीम टैंट भी अपने साथ ले कर आती है। हवलदार हवा सिंह 21 अप्रैल 1993 को श्रीनगर में हुए आतंकी हमले में शहीद हो गए थे। उन्हें श्रद्धासुमन भेंट करने के लिए डीजी कोमल सिंह के साथ डीएसपी जतिन कुमार, एसआई कर्मबीर आदि भी पहुंचे। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में दिवंगत शहीद की पत्नी राम कौर, बेटा जीतेंद्र, भतीजा अमरजीत आदि भी मौजूद रहे। आहुलाना बारहा के अध्यक्ष मलिक राज मलिक के साथ राम स्वरूप, सुभाष, रामफल, राजेश, महेंद्र आदि ग्रामीणों ने भी शहीद हवलदार हवा सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

खांडा व चोलका गांवों में 35 एकड़ की फांस जली

खरखौदा। खांडा व चोलका गांव के खेतों में अज्ञात कारणों से आग लग गई। जिससे करीब 35 एकड़ के फांस जल गए। किसानों ने हाइड्रो से ट्रैक्टर चला कर मिट्टी खुदाई की, ताकि आग को आगे फैलने से रोका जा सके। इसी दौरान खरखौदा हलका के विधायक जयवीर वाल्मीकि घटनास्थल के पास से गुजर रहे थे, वह किसानों के पास रुके और उन्होंने एसडीएम को फोन करके तुरंत दमकल केंद्र की गाड़ी मौके पर भेजने के लिए कहा। दमकल की गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पाया गया। तब तक करीब 35 एकड़ के फांस जलकर राख हो चुके थे। जिनमें कृष्ण खांडा के 6 एकड़, चोलका के रामकिशन व हरिकिशन के 8 एकड़, कृष्ण के 22 एकड़ के फांस जले है। जिसके कारण किसानों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

लॉन टेनिस खिलाड़ी खुशी कादयान ने जीता स्वर्ण पदक

सोनीपत। विजेता खिलाड़ी के साथ प्राचार्या एवं अन्य।फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जयपुर में 15 अप्रैल 2024 से 19 अप्रैल 2024 तक आयोजित ऑल इंडिया लॉन टेनिस सुपर सीरीज अंडर 12 व अंडर 14 में खुशी कादयान ने स्वर्ण पदक जीते। अंडर 12 आयुवर्ग के फाइनल मैच में खुशी ने मध्य प्रदेश की वेदी शिंदे को 6-1, 6-2 के स्कोर से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वही अंडर 14 आयुवर्ग के फाइनल मैच में गुजरात की माही को 6-4, 6-4 के स्कोर से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस प्रतियोगिता में देश भर से लगभग 115 खिलाड़ियों ने भाग लिया। विद्यालय पहुंचने पर खुशी का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। खुशी की इस शानदार जीत पर अभिभावकों ने कहा कि सभी का धन्यवाद किया। विद्यालय के चेयरमैन तरसेम कुमार गर्ग, सेक्रेटरी डॉ विशाल गर्ग एवं प्रधानाचार्या आशा गोयल ने बधाई दी तथा भविष्य में भी शानदार खेल प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

टीकाराम कन्या कॉलेज में पहुंचीं पूर्व छात्राएं, सांझा किए अनुभव

सोनीपत। टीकाराम कन्यामहाविद्यालय में एल्यूमनी मीट का आयोजन किया गया। जिसमें कॉलेज की पूर्व छात्राओं ने मिलकर अपने अनुभव को सांझा किया। निर्मल ने सभी स्टाफ सदस्यों और पूर्व छात्राओं का स्वागत किया। प्राचार्य डॉ. संतोष राठी ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की संयोजिका कंचन सिंधर ने मंच संभालते हुए सबका धन्यवाद किया। इस अवसर पर प्रीति दाहिया, रेखा, दीपा, रितु मलिक, मीनाक्षी, रेखा राठी, सरोज, सुदेश आदि छात्राओं ने अपने विचार सांझा किये। छात्राओं ने डांस प्रस्तुत करके सबका मन मोह लिया। इस अवसर पर प्राध्यापिकाएं गीता, सुनीता, अनिता राठी, सीमा, सोनिया, संगीता, स्वाति, मनीषा और ममता उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

» विधायक सुरेंद्र पंवार ने रक्तदान शिविर में बतौर मुख्यातिथि की शिरकत

रक्तदान जीवन बचाने में अदा करता है अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

विधायक सुरेंद्र पंवार ने कहा कि रक्तदान जीवनदान है। रक्तदान से नुकसान नहीं बल्कि जरूरतमंद लोगों का जीवन बचाने में रक्तदाता अहम भूमिका अदा करता है। रक्तदान से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं है। विधायक सुरेंद्र पंवार सेक्टर-15 में आयोजित रक्तदान शिविर में पहुंचकर रक्तदाताओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान विधायक सुरेंद्र पंवार ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। विधायक सुरेंद्र पंवार ने कहा कि कुछ लोगों में इस बात का काफी भ्रम है कि रक्तदान करने से उनके शरीर में कमजोरी आ जाएगी और स्वास्थ्य पर काफी खराब असर पड़ेगा, ऐसा कुछ नहीं है। जो रक्तदान हम दान करते है वह दोबारा से हमारे शरीर में बन जाता है, इसीलिए अधिक से अधिक रक्तदान करें। उन्होंने कहा कि व्यक्ति अपना रक्त अपनी इच्छा से दान करता है। पहले रक्त ना मिल पाने के कारण लोगों की मौत हो जाती थी, लेकिन अब रक्तदान शिविर लोगों का जीवन बचाने में अहम भूमिका अदा कर रहे है। इस दौरार सरदार मोहन सिंह मनोचा, सुरेंद्र छिक्कारा, संजय वधावन, कमल हसीजा, राजेश मिड्ढा, राजन खुराना, रविंद्र सरोहा, मास्टर दिलबाग, जयवीर गहलावत, हवा सिंह पहलवान, आनंद सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सोनीपत। विधायक सुरेंद्र पंवार रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते हुए। फोटो : हरिभूमि

रक्तदान से बढ़कर नहीं कोई दान : तरुण देवीदास

सोनीपत। सेक्टर 15 में दिव्य आध्यात्मिक सत्संग एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे जिला भाजपा प्रवक्ता तरुण देवीदास ने रक्तदाताओं को बैच लगाकर उनका हौसला बढ़ाया। भाजपा नेता तरुण देवीदास ने कहा कि रक्तदान सभी दानों से बढ़कर किसी को जीवनदान देने के बराबर है। इसकी बराबरी किसी भी और अन्य दान से नहीं की जा सकती।

मेयर ने पहले किया रक्तदान फिर सम्मानित किए रक्तदाता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सेक्टर 15 में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मेयर निखिल मदान ने कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि भाग लेकर रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाया और रक्तदाताओं को रक्तदान के प्रमाण पत्र वितरित किए। इस मौके पर मेयर निखिल मदान ने खुद भी रक्तदान किया। मेयर निखिल मदान ने कहा कि रक्तदान महादान है और लोगों की जिंदगी बचाने का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है।

एक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित तौर पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए। मेयर निखिल मदान ने कहा कि युवा लोगों को विशेषकर रक्तदान में बढ़ चढ़ कर भाग लेना चाहिए और अन्य लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करना चाहिए। मेयर निखिल मदान ने इस अवसर पर सभी आयोजकों का इस पुनीत कार्य के लिए धन्यवाद किया। आयोजकों द्वारा मेयर निखिल मदान को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान मोहन सिंह मनोचा, मनोहर लाल मेहता, प्रभु दयाल, नरेंद्र भूटानी, रवि ग्रोवर, राजन खुराना, सुरेश बत्रा, सुभाष मदान, महेंद्र पाल, संजय आहूजा, रविंद्र सरोहा आदि मौजूद रहे।

सोनीपत। शिविर के दौरान रक्तदान करते हुए मेयर निखिल मदान साथ में मौजूद गणमान्य लोग। फोटो : हरिभूमि